6 सेर को सवा सेर

एक गाँव में तीन भाई रहते थे। गप्प हाँकने में उनका जवाब नहीं था। इस काम में तीनों भाई अपने को सबका गुरु समझते थे। एक बार तीनों भाई यात्रा पर निकले। रास्ते में वे एक सराय में ठहरे। उसी सराय में एक राजकुमार भी आ ठहरा। उसने कीमती वस्त्र तथा बहुमूल्य आभूषण पहन रखे थे। भाइयों ने राजकुमार को अपने जाल में फँसाकर उसके वस्त्र-आभूषण हथियाने की योजना बनाई।

उनमें से एक भाई राजकुमार से बोला – "महाशय, समय काटने के लिए कुछ खेल-पहेली हो जाए तो कैसा रहेगा?"

राजकुमार राजी हो गया। दूसरे भाई ने सुझाया – ''ऐसा करते हैं कि हम बारी-बारी से गप्पें हाँकते हैं। किसी की गप्प पर दूसरा कोई विश्वास न करे तो विश्वास न करने वाला हारा माना जाए। उसे गप्प कहने वाले की गुलामी करनी पड़ेगी।''

राजकुमार यह शर्त भी मान गया।

गपोड़ी बहुत खुश हुए। उन्हें पूरा विश्वास था कि वे ऐसी बेतुकी गप्प मारेंगे कि राजकुमार को विश्वास न करने पर मजबूर करेंगे। उसके मुँह से-''यह कैसे हो सकता है,'' निकलवाकर रहेंगे।

उन्होंने सराय के मालिक को पंच बनने के लिए मना लिया। मुकाबला शुरू हुआ।

पहले भाई ने गप्प मारी-''बचपन में हम लुकाछिपी खेल रहे थे। मैं छिपने के लिए एक ताड़ के पेड़ पर चढ़ गया। वह ताड़ का पेड़ कम से कम सौ मील ऊँचा था। मैं दौड़कर उसकी चोटी के पत्तों के बीच छिपकर बैठ गया। मुझे वहीं नींद आ गई। जब आँख खुली तो देखा कि पेड़ इस बीच पचास मील और उग

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

चुका था। नीचे उतरने की हिम्मत नहीं हुई। मैं सोच ही रह था कि पास से एक बादल का टुकड़ा गुजरा। मैं उसी में घुस गया। जब उस बादल से पानी बरसने लगा तब जाकर मैं पानी की धार को रस्सी की तरह पकड़कर नीचे उतरा।'' राजकुमार केवल मुस्कराया। पहला भाई निराश हो गया। उसे पूरा यकीन था कि राजकुमार विश्वास नहीं करेगा। दूसरा गपोड़ी भाई बोला–''एक बार मेरी गेंद एक झाड़ी में जा गिरी। मैं अपनी गेंद ढूँढ़ने झाड़ियों में घुसा लेकिन मुझे अपनी गेंद कहीं नजर नहीं आई। एक चूहे का बिल मुझे दिखा। मैं उसके भीतर चला गया तो क्या देखता हूँ कि वहाँ सैकड़ों हाथी बँधे पड़े हैं। उस बिल में रहने वाला चूहा हाथीचोर था। मैंने उन हाथियों को मुक्त कराने का फैसला कर लिया। और तो कोई तरीका नहीं था सिवा हाथियों को पकड़कर अपनी जेबों में भरने के। सारे हाथी जेबों में आ गए तो मैं बाहर की ओर भागा। तभी हाथीचोर चूहे ने मुझे देख लिया। वह तलवार लेकर मेरे पीछे आया। बिल से बाहर आकर चूहे से बचने के लिए उछलकर एक टिड्डे की पीठ पर सवार हो गया और उसे एक चाबुक मारी टिड्डे ने आठ दस लंबी लंबी छलाँगें मारी और चूहा हाथ मलता रह गया।''

राजकुमार ने सहमति के लिए सिर हिलाया–''हाँ, मैंने भी तुम्हें टिड्डे पर जाते देखा था।'' दूसरा भाई भी असफल हो गया। अब बारी तीसरे भाई की थी। वह बोला–''एक बार मैं नदी किनारे घूमने गया। वहाँ सारे मछुआरे इकट्ठे होकर रो रहे थे। मैंने कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि नदी में एक भी मछली नहीं रही। वे भूखों मर रहे हैं।

मैं इसका कारण जानने नदी में उतरा। पानी के भीतर मैं क्या देखता हूँ कि एक व्हेल सारी मछलियों को खा रही है। उसे देखकर मुझे इतना गुस्सा आया कि मेरे गुस्से की गर्मी से नदी का पानी गर्म होने लगा। पानी गर्म होने से व्हेल छटपटाने लगी और पानी से ऊपर आकर हवा में उड़ गई। उसके उड़ने से पहले ही मैंने उसकी पूँछ पकड़ ली। हम दोनों हवा में उड़ने लगे। व्हेल ने पूँछ झटककर मुझे गिराने की कोशिश की पर मैंने पूँछ नहीं छोड़ी। तभी मुझे एक बहुत बड़ी चट्टान हवा में तैरती नजर आई। मैंने अपने पैर उसपर टिकाए और पूँछ से पकड़कर व्हेल

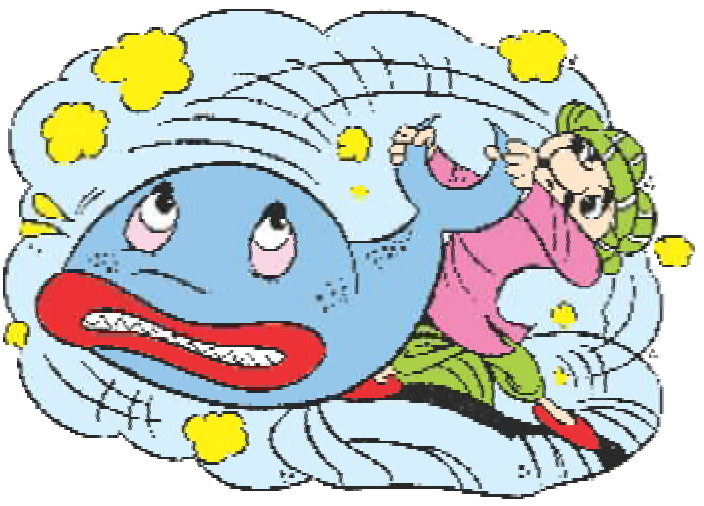

© BSTBPC WEBCOPY. NOT TO BE PUBLISHED

को खूब घुमाकर समुद्र की ओर फेंक दिया। इस प्रकार मैंने उस व्हेल से मछुआरों को निजात दिलाई।''

राजकुमार ने ताली बजाई– ''तुमने बहुत बहादुरी का काम किया।''

तीनों भाई असफल हो गए थे। उनके मुँह उतर गए। पंच ने कहा– ''राजकुमार, अब तुम अपनी गप्प सुनाओ।''

राजकुमार ने कहा– ''ठीक है। अब मेरी कहानी सुनो। मैं एक देश का राजकुमार हूँ। मेरे पास तीन गुलाम हैं। एक दिन वे तीनों मुझे धोखा देकर भाग निकले। तब से मैं घूम-घूमकर उन्हें तलाश करता फिर रहा हूँ। आज फिर वे मुझे मिल गए।''

एक भाई ने पूछा– ''कौन हैं वे?''

राजकुमार मुस्कराया–''तुम तीनों ही तो वे गुलाम हो।''

अब तीनों भाई फँस गए। अगर राजकुमार की बात नहीं मानते तो शर्त हार जाते हैं और राजकुमार के गुलाम बन जाते हैं। अगर राजकुमार की गप्प स्वीकार करते हैं तो गुलाम हैं ही।

पंच ने निर्णय दिया कि तीनों भाई हार गए हैं और वे अब राजकुमार के गुलाम होंगे। वे बहुत सिटपिटाए। राजकुमार से माफ़ी माँगने लगे। अंत में राजकुमार ने कहा–''मैं तुम्हें एक शर्त पर मुक्त करता हूँ। वह यह कि आगे से उलूल-जलूल बातें बनाकर गाँव वालों को न ठगना।''

गपोड़ी भाइयों को वचन देना पड़ा।

© BSMBC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

अभ्यास

बातचीत के लिए –

1. गप्प मारने वाले को क्या कहा जाता है?
2. 'सराय' किसे कहते हैं? सराय और घर में क्या अंतर होता है?
3. इस कहानी में सवा सेर कौन है?
4. तीनों भाइयों ने राजकुमार के सामान को हथियाने की क्या योजना बनाई?
5. ताड़ का पेड़ कितना ऊँचा होता होगा? क्या आप उस पर चढ़ सकते हैं?

पाठ में से

1. पहले भाई ने क्या गप्प सुनाई?
2. दूसरे भाई ने हाथियों को कैसे मुक्त कराया?
3. नदी का पानी गर्म क्यों होने लगा?
4. राजकुमार ने ऐसा क्या कहा कि तीनों भाई हार गए?
5. तीनों भाइयों ने राजकुमार को क्या वचन दिया?

गप्प सुनो भई गप्प !

1. गप्प क्या होती है? गप्प मारने और बात करने में क्या अंतर है?
2. आपको कौन-सी गप्प सबसे ज़्यादा पसंद आई और क्यों?
3. अगर आप को गप्प मारने के लिए कहा जाए तो आप क्या गप्प सुनाएँगे?

बताइए, इनमें से कौन-सी बात गप्प है ? '✓' लगाइए -

1. पेड़ पर मछलियाँ घोंसले में रहती थीं। ( )
2. कुत्ता ने गेंद को मुँह में दबा लिया। ( )
3. कछुआ तालाब में अंडे उबाल रहा था। ( )
4. समुद्र के अंदर रंग-बिरंगे पौधे थे। ( )
5. चूहा, हाथी के सूँड से अंदर घुसा और पूँछ से बाहर निकला। ( )
6. चींटी ने हाथी को उठाकर पटक दिया। ( )

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

अनुमान लगाइए -

1. राजकुमार ने कौन-कौन से बहुमूल्य आभूषण पहने होंगे?
2. सराय के मालिक को पंच क्यों बनाया गया होगा?
3. तीनों भाइयों की गप्प सुनने के बाद राजकुमार केवल मुस्कराया। क्या उसे यह मालूम था कि तीनों भाई उसे ठग रहे हैं?

भाषा के रंग –

(1) गप्प मारने वाले को गपोड़ी कहा जाता है। बताइए, इन्हें क्या कहा जाता है।

(क) जो बहुत बोलता है – .....

(ख) जो बहुत कम बोलता हो– .....

(ग) जो माँस खाता हो– .....

(घ) जो चित्र बनाता हो– .....

(ङ) जो सच बोलता हो– .....

(2) बहुमूल्य शब्द इस तरह बना है –

बहु + मूल्य– बहुमूल्य

आप भी इसी तरह नए शब्द बनाइए

(क) अ + सफल –

(ख) सु + पुत्र –

(ग) सु + कन्या –

(घ) अन + पढ़–

(ङ) वि + देश –

(च) बे + कार –

(छ) बे + ईमान –

(ज) बे + होश –

(झ) बे + सुधा –

(ट) बे + सहारा –

(3) रेखा खींचकर विपरीत अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए –

'क'	'ख'
विश्वास	कायर
गुरु	असहमति
हार	ठंडा
गर्म	जीत
सहमति	आशा
निराशा	शिष्य
बहादुर	अविश्वास

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

(4) नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) योजना– .....।

(ख) लुकाछिपी– .....।

(ग) विश्वास– .....।

(घ) बहादुरी– .....।

(ङ) शर्त– .....।

खेलों की दुनिया

"बचपन में हम लुकाछिपी खेल रहे थे।"

(क) आप कौन-कौन से खेल खेलते हैं?

(ख) लुकाछिपी का खेल कैसे खेला जाता है?

(ग) ऐसे खेलों के बारे में बताइए जिन्हें खेलते हुए आप कोई गीत भी गाते हैं।

(घ) इन खेल गीतों को गाकर सुनाइए।

अभिनय

(क) "सेर को सवा सेर' कहानी का मंचन करने के लिए कितने पात्रों की ज़रूरत होगी।

(ख) इस कहानी के मंचन में आप कौन-सा चरित्र निभाना पसंद करेंगे और क्यों?

(ग) इस कहानी का मंचन कीजिए।

❖

© BSTBC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED